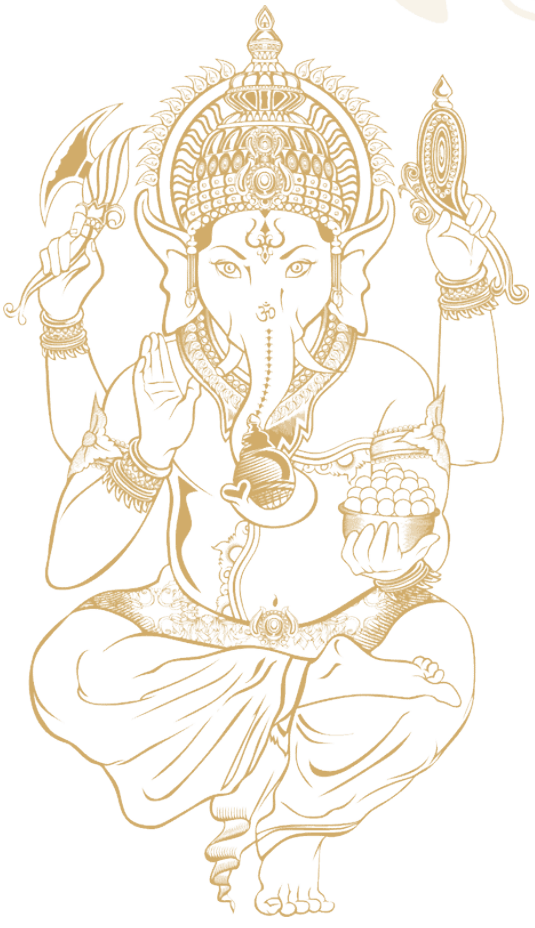

Anurag

Smita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119964603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/12/1993	जन्म तिथि	13/07/1994
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 09:13:00	जन्म समय	16:05:00 घंटे
घटी 06:20:59	जन्म समय(घटी)	26:29:43 घटी
India	देश	India
Raipur	स्थान	Raipur
21:16:00 उत्तर	अक्षांश	21:16:00 उत्तर
81:42:00 पूर्व	रेखांश	81:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:03:12	स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:40:36	सूर्योदय	05:29:06
17:31:53	सूर्यास्त	18:48:25
23:46:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:05

विंशोत्तरी
शनि 5वर्ष 4मा 22दि

शुक्र	
25/05/2023	
25/05/2043	
शुक्र	23/09/2026
सूर्य	24/09/2027
चन्द्र	24/05/2029
मंगल	24/07/2030
राहु	24/07/2033
गुरु	24/03/2036
शनि	25/05/2039
बुध	25/03/2042
केतु	25/05/2043

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	वृश्चि	19:52:45
सूर्य	मिथु	27:01:43
चंद्र	सिंह	23:09:38
मंगल	वृष	12:55:03
बुध	मिथु	07:30:29
गुरु	तुला	11:10:29
शुक्र	सिंह	08:40:02
शनि	व कुंभ	18:16:58
राहु	व तुला	28:07:21
केतु	व मेष	28:07:21
हर्ष	व मक	00:43:40
नेप	व धनु	28:12:41
प्लूटो	व वृश्चि	01:38:25

राशि	अंश
मक	24:43:12
धनु	15:41:56
कर्क	12:52:48
धनु	14:38:57
धनु	13:32:17
तुला	15:51:03
धनु	11:39:08
कुंभ	03:08:34
वृश्चि व	08:44:57
वृष व	08:44:57
धनु	27:45:09
धनु	26:39:04
वृश्चि	03:16:12

विंशोत्तरी
शुक्र 5वर्ष 3मा 3दि

राहु	
16/10/2022	
15/10/2040	
राहु	28/06/2025
गुरु	22/11/2027
शनि	28/09/2030
बुध	16/04/2033
केतु	04/05/2034
शुक्र	04/05/2037
सूर्य	29/03/2038
चन्द्र	28/09/2039
मंगल	15/10/2040

लग्न-चलित

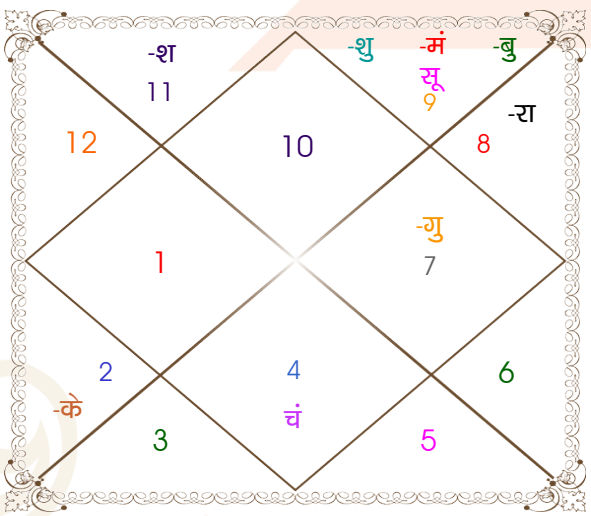

लग्न-चलित

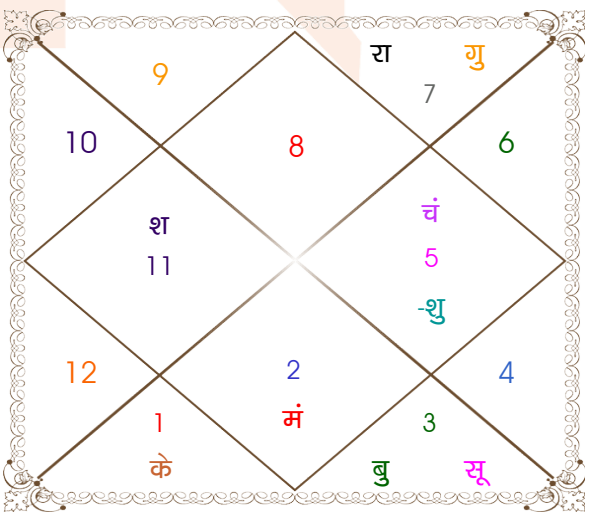

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ।दनतंह का नक्षत्र पुष्य है।

।दनतंह का वर्ग मेष है तथा Smita का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दनतंह और Smita का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

।दनतंह मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।दनतंह कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Smita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Smita कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Smita कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ।दनतंह कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।दनतंह तथा Smita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।